महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

दूसरों का पक्ष जानना पत्रकारिता की पहली प्राथमिकता - प्रकाश दुबे

वर्धा दि. 01 नवंबर 2012: स्वस्थ पत्रकारिता के लिए पीड़ित और आरोपी पक्ष दोनों को जानना जरूरी होता है। अच्छे पत्रकार को हमेशा दोनों पक्षों को उचित स्थान देना चाहिए। किसी भी कीमत पर पत्रकार को खुद फैसला नहीं सुनाना चाहिए। हाल के दिनों में यह प्रचलन जोर पकड़ रहा है कि पत्रकार किसी भी मामले की अपने स्तर पर ही सुनवाई करना चाहते हैं जो पत्रकारिता के हित में नहीं है। इस आशय के विचार दैनिक भास्कर समाचारपत्र के समूह संपादक प्रकाश दुबे ने संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के छात्रों के बीच व्याख्यान के दौरान प्रकट किए। उन्होंने राजेंद्र माथुर के लेख का उद्धरण देते हुए पत्रकारिता के छात्रों को समझाया कि पत्रकारों को खुद को उच्चतम न्यायालय नहीं समझना चाहिए।

उनके साथ वरिष्ठ पत्रकार चंद्रकांत वानखेड़े भी मौजूद थे। छात्रों से बातचीत के दौरान वानखेड़े ने पत्रकारिता और किसानों की समस्या के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि समाज की मनोदशा ऐसी है कि दक्षिणपंथ और वामपंथ दोनों में से कोई भी कृषि के पेशे में उचित नहीं मानता। दक्षिणपंथी किसान के पेशे को सबसे निकृष्ट मानते हैं वहीं वामपंथी तबका किसानों को शोषक करार देता है। ऐसी सामाजिक मनोदशा के बीच में किसान पिस रहा है। पत्रकारिता के माध्यम से इसे समाप्त किया जा सकता है।

इस दौरान केंद्र के छात्रों ने प्रकाश दुबे से पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े सवाल भी पूछे। मीडिया घरानों पर राजसत्ता का दबाव किस प्रकार होता है इस प्रश्न के जबाव में उन्होंने अपने पत्रकारिता जीवन को आधार बताते हुए कहा कि उन्हें अबतक के कार्यकाल में किसी भी प्रकार के दबाव का सामना नहीं करना पड़ा।

इस दौरान मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अधिष्ठाता और संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. अनिल कुमार राय 'अंकित' ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि समाज में यह भय है कि मीडिया में पूंजीवाद हावी है। जबकि मीडिया मे काम कर रहे लोगों को ऐसे किसी भी प्रकार के दबाव का सामना नहीं करना होता है।

इससे पहले प्रो. राय ने आगत अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के सहायक प्रोफेसर संदीप वर्मा, राजेश लेहकपुरे, रेणु सिंह, विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी बी.एस. मिरगे समेत केंद्र के शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे ।

बी. एस. मिरगे,

जनंसपर्क अधिकारी